Hindi Murli Quiz 07-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें |**
(उत्तर एक से अधिक भी हो सकते हैं)

- A. ☐ ईश्वर को ही योगेश्वर कहा जाता है |
- B. ☑ अच्छे- अच्छे बच्चे जो मुरली तो बहुत अच्छी चलाते हैं परन्तु याद में बिल्कुल कमजोर हैं ।
- C. ☐ इसलिए सच्ची-सच्ची माला 8 की बनी है । 8 रत्न गाये जाते हैं । 108 रत्न कब सुने हैं? 108 रत्नों की कोई चीज नहीं बनाते हैं । बहुत हैं जो इन बातों को पूरा समझते नहीं हैं ।
- D. ☑ यहाँ आकर जो पाप करते हैं वह तो और ही सौगुणा सजा खायेंगे ।
- E. ☑ आत्मा जानती है यह सारी दुनिया खलास होनी है, अब हम जाते हैं अपने घर । फिर आयेंगे राजधानी में । यह सदैव बुद्धि में रहना चाहिए ।

Explanation: वास्तव में ईश्वर को योगेश्वर नहीं कहेंगे । तुम योगेश्वर हो । इसलिए सच्ची-सच्ची माला 8 की बनी है । 9 रत्न गाये जाते हैं । 108 रत्न कब सुने हैं? 108 रत्नों की कोई चीज नहीं बनाते हैं । बहुत हैं जो इन बातों को पूरा समझते नहीं हैं ।

Q.2) **शिव भगवानुवाच-याद में सब बहुत कच्चे हैं ।**

- A. ○ False / ये वाक्य गलत है
- B. ◉ True / ये वाक्य सही है

Q.3) **अगर कलियुग अभी भी चलेगा तो और घोर अन्धियारा हो जायेगा इसलिए गाया हुआ है-**

- A. ○ अन्धे की औलाद अन्धे और दूसरे हैं सज्जे की औलाद सज्जे ।
- B. ◉ कुम्भकरण की नींद में सोये हुए थे और विनाश हो गया ।
- C. ○ ज्ञान सूर्य प्रगटा , अज्ञान अंधेर विनाश |
- D. ○ सेकेण्ड में जीवनमुक्ति ।

Q.4) **जब स्वदर्शन चक्र राइट तरफ चलने के बजाए रांग तरफ चल जाता है तब मायाजीत बनने के बजाए पर के दर्शन के उलझन के चक्र में आ जाते हो जिससे क्यों और क्या के क्वेश्चन की जाल बन जाती है जो स्वयं ही रचते और फिर स्वयं ही फंस जाते इसलिए नॉलेजफुल बन स्वदर्शन चक्र फिराते रहो तो क्यों क्या के क्वेश्चन की जाल से मुक्त हो योगयुक्त, जीवनमुक्त, चक्रवर्ती बन बाप के साथ विश्व कल्याण की सेवा में चक्र लगाते रहेंगे । विश्व सेवाधारी चक्रवर्ती राजा बन जायेंगे ।**

- A. ○ False
- B. ◉ True

Q.5) **यह है भाग्यशाली रथ , इनमें भगवान की प्रवेशता है ना |**

- A. ○ False / ये वाक्य गलत है
- B. ◉ True / ये वाक्य सही है

Explanation: यह है भाग्यशाली रथ, इनसे कितनी सर्विस होती है ।

Q.6) **उठते बैठते क्या समझना है ?**

- A. ◉ अब यह शरीर तो छोड़ना है ।
- B. ○ अब सतोप्रधान बनना है बाप की याद से ।
- C. ○ हम 84 जन्म कैसे लेते हैं, तमोप्रधान से सतोप्रधान, सतोप्रधान से तमोप्रधान कैसे बनते हैं |
- D. ○ याद को ज्ञान नहीं कहा जाता ।

Q.7) **बाबा ने आज किस - किस बुद्धि की बात की ?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

- A. ☑ स्वच्छ
- B. ☑ ईश्वरीय
- C. ☑ सेन्सीबुल
- D. ☑ प्लेन
- E. ☑ रावण
- F. ☑ पत्थर
- G. ☑ तमोप्रधान

Q.8) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	शरीर को याद करना	व्यभिचारी याद
B	एक की याद रहे	अव्यभिचारी याद
C	याद का बल	कर्मेन्द्रियाँ शीतल, शान्त
D	भक्ति	63 जन्म धक्के
E	ज्ञान	सेकेण्ड
F	आत्मा	झुंझार
G	मुझे याद करो	इसे ज्ञान नहीं कहेंगे

Q.9) **नाम भी जानते हैं परन्तु पत्थरबुद्धि ऐसे हैं ....**
यहाँ किसके नाम की बात हो रही है |

A. शिवबाबा
B. प्रजापिता ब्रह्मा
C. कुम्भकरण
D. सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग यह चक्र है ।
E. लक्ष्मी- नारायण
F. रावण

Q.10) **अभी तो हर एक को समझाना चाहिए-**
(एक ही उत्तर का चयन करें)

A. मनुष्य तो जो कुछ बोलते हैं सो झूठ ।
B. हर चीज सतो, रजो, तमो में जरूर आती है ।
C. इस समय सब नर्कवासी हैं फिर स्वर्गवासी भी भारतवासी ही बनते हैं ।